

संपादकीय

विकास ने किया निराश

अरे! चुनाव आ गए, ये विकास कहां है? चलिए सब मिलकर उसे ढंगने का काम करते हैं। विकास, ओ विकास! कहां हो तुम? चलो, आ भी जाओ अब! देखो तुम्हारी याद में सब बहुत परेशान हो रहे हैं। तुम्हारे जनक आदरशीय नेताजी ने तो भूख हड्डताल भी शुरू कर दी है। चुनावों का वक्त है, कोई तुम्हें कुछ नहीं कहेगा, तुम बस जल्दी से चले आओ।

विकास लापता हो गया था। जैसे ही यह खबर सूबे में फैली कि चुनाव के समय में क्षेत्र में सब कुछ है, बस विकास ही नहीं है तो क्षेत्र में सज्जाटा पसर गया, जैसे घर से अर्थी उठने के बाद होता है। सब यह मान रहे थे कि विकास अपने विकास पुरुष अर्थात् नेताशी से इटिटेट होकर भूमिगत हो गया होगा। वैसे धरने पर बैठ रुठने की कला और और सांबंदी का जूस पीकर मान जाने का हुनर विकास ने अपने जननायक से ही सीखा था।

मुफ्त के इंटरनेट वाले युग में कोई खबर कैसे छिपी रह सकती थी? विकास के लापता होने की खबर टॉप ट्रैक में आ गई! सूबे के सूबेदार से लेकर राजथानी के द्वारपाल तक सब चित्तित थे। आबकान में एक कमटी बनाकर विकास का संर्धिंग औपरेशन शुरू किया गया।

विकास की तलाश करने के लिए कमटी ने सङ्क के सैम्पल लिए लेकिन सङ्क में धूल-पत्थर वर्णी बिल्कुल धूल-पत्थर में सारी सङ्क थी। जांच समिति को निराशा हाथ लगी लेकिन जहां चाह वहां रहा। विकास की खोज की चेष्टा के साथ जांचकार्ता राशन की दुकानों पर जा पहुंचे। बाहर बोड टंगा था, जिस पर लिखा था 'स्टॉक खत्म हो गया है, अनुसुधा के लिए खोद है'। लेकिन बड़े बाबू तो कुछ ज्यादा ही जिजी थे। भीतर घुसकर देखा तो सारा नजारा विपरीत था। वहां राशन तो भरपूर था लेकिन विकास वहां भी नहीं था। जांच दल अब लोगों के घरों की तलाशी ले रहा था, नल की टोटियों को खोल कर देखा गया पर सिर्फ हवा आ रही थी। पूछने पर पता चला कि पानी तो चार दिन में एक ही दिन आता है। विकास को यहां भी न पाकर बड़े बाबू निराश हुए। अचानक सामने एक पाठशाला देख उम्मीद की फिरण ने उन्हें बांध दिया। यहां तो विकास मिल ही जाएगा, यह सोच वे भीतर गये। दूटी टेबरें, सड़े हुए दरवाजे अपनी मौजूदगी का प्रमाण दे रहे थे। मास्साब नदारद थे, विकास यहां भी नहीं था।

अंततः थक-हार बोहोश हुए बड़े बाबू ने जब आंखें खोली तो खुद को अपताल में पाया। एक कर्तव्यपरायण जांच अधिकारी यहां भी विकास को खोजता रहा लेकिन वे चिकित्सक, चार पलंग और मरीजों की लंबी कतार ने उन्हें निराश किया। अंत में नेताशी ने विकास के बिना ही चुनाव लड़ने का निश्चय किया।

नया साल शुरू होने से पहले देशवासियों को लग सकता है महंगाई का झटका

नई दिल्ली (आरएनएस)। नया साल सुरू होने से पहले देश वासियों के लिए एक बुरी खबर है। महंगाई की मार अब सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ने वाली है। आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी बढ़ावटी हो सकती है। औपेक सदस्यों और 10 अन्य तेल उत्पादक देशों ने कच्चे तेल की गिरावट भारत के लिए बड़ी राहत की खबर सावित हुई थी, पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आनी शुरू हो गई थी जो तक जारी है। औपेक के इस फैसले के तुरंत बाद कच्चे तेल की कीमत में पांच प्रतिशत का भारी उछल देखा गया है। हालांकि औपेक



देशों के बीच हुआ समझौता एक जनवरी से लागू हो जाएगा। बता दें कि भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है जो जस्तर से अधिक मात्रा में कच्चे तेल का आयत करता है। पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में अक्टूबर से शुरू हुई गिरावट भारत के लिए बड़ी राहत की खबर सावित हुई थी, पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आनी शुरू हो गई थी जो तक जारी है। औपेक के इस फैसले के तुरंत बाद कच्चे तेल की कीमत में पांच प्रतिशत का भारी उछल देखा गया है। हालांकि औपेक

ऑनलाइन दवाएं बेचने वालों को रजिस्ट्रेशन कराना होगा

उदयपुर, केंद्र सरकार ऑनलाइन दवाएं बेचने वाली कंपनियों के लिए इस माह के अंत तक नियम जारी कर देगी। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ डीडीआर (डीजीसीआई) इक्ष्वाकुर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य देशभर में ऑनलाइन बिक्री को रेग्युलेट करना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को भरोसेमंद पोर्टल से असली दवाएं मिलें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ई-फार्मेसी के लिए कोई नियम नहीं है। लेकिन दिसंबर अंत तक इससे संबंधित नियमों को अंतिम रूप पर दिया जाएगा। इनसे निवेशकों को सेक्टर के जोखिम को समझने में मदद मिलेगी और उन्हें इस सेक्टर में निवेश का फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि ऐसी दवाएं जिनके सेवन की लोगों को लत पड़ जाती हैं उन्हें ई-फार्मेसी के प्लेटफॉर्म से बेचने की अनुमति



है कि ई-फार्मेसी के लिए कोई नियम नहीं है। लेकिन दिसंबर

अंत तक इससे संबंधित नियमों को अंतिम रूप पर दिया जाएगा।

3-4 साल में ई-फार्मेसी का

बाजार 7 गुना बढ़ने की उम्मीद

1.2 लाख करोड़ रुपए का

दवाओं का रिटेल बाजार है

3.5 हजार करोड़ रु. का दवाओं

का ऑनलाइन बाजार है

25 हजार करोड़ रु. तक पहुंचने

की उम्मीद है 4 साल में

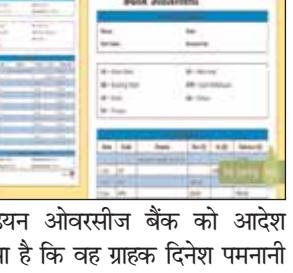
पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट जारी

नयी दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और रहा। कोलकाता में डीजल का दाम डीजल की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 22 पैसे और घटकर 11 माह के निचले स्तर पर पहुंच गए। डीजल भी 25 पैसे कम होकर कीरब आठ माह निम्न स्तर पर आ गया।



67.03 रुपये और चैर्चीर में 68.93 रुपए कर लेना। नौएडा में दोनों इंधन क्रमशः 70.37 और 64.70 रुपये और गुग्गाम में 69.32 और 64.37 रुपये प्रति लीटर रहा। दिल्ली में पेट्रोल का दाम 12 जनवरी और डीजल का 20 अप्रैल के बाद का न्यूनतम है।

अहमदाबाद (आरएनएस)। अगर आपकी पत्ती आपकी इजाजत के बिना बैंक से आपकी अकाउंट स्टेटमेंट लेती है तो समझ लेजिए ये पूरी तरह से नियमों का उल्लंघन है और इस मामले में बैंक भी नप सकता है।



ईडियन ओवरसीज बैंक को आदेश दिया है कि वह ग्राहक दिनेश पमनानी

को 10 हजार रुपयों का जुर्माना दे। दरअसल बैंक ने पमनानी से बिना पूछे उनके बैंक अकाउंट की जानकारी उनकी पत्ती को दे दी।

पमनानी ने फोरम को बताया कि उनका अपनी पत्ती के साथ फैमिली कोर्ट में वैवाहिक विवाद चल रहा है और उनकी पत्ती को दे दी।

पमनानी ने फोरम को बताया कि उनका अपनी पत्ती के साथ फैमिली कोर्ट में वैवाहिक विवाद चल रहा है और उनकी पत्ती को दे दी।

पमनानी ने फैमिली कोर्ट में वैवाहिक विवाद चल रहा है और उनकी पत्ती को दे दी।

त्रिभुवन: दापांग में सुख-शांति का

अनुबंध करेंगे। परिवारिक सदस्यों और करीबी दोस्तों के साथ उत्तम भेजन करने का अवकाश मिलेगा। छोटे प्रवास का आयोगी भी ही सकता है।

त्रिभुवन: दापांग में सुख-शांति का अनुबंध करेंगे। परिवारिक सदस्यों और करीबी दोस्तों के साथ उत्तम भेजन करने का अवकाश मिलेगा। छोटे प्रवास का आयोगी भी ही सकता है।

कर्णाली: स्टार्क अपार्टमेंट से बुधवार की अवधि रहा। अपार्टमेंट में वैवाहिक घर रहा है। जीता ग्राहक दिनेश पमनानी

ने बैंक से बुधवार की अवधि रहा।

स्टार्क: दापांग में सुख-शांति का

अनुबंध करेंगे। परिवारिक सदस्यों और प्रदेशी दोस्तों के साथ अधिक लाभ होगा।

कर्णाली: स्टार्क अपार्टमेंट से बुधवार की अवधि रहा।

स्टार्क: दापांग में सुख-शांति का

अनुबंध करेंगे। परिवारिक सदस्यों और प्रदेशी दोस्तों के साथ अधिक लाभ होगा।

कर्णाली: दापांग में सुख-शांति का

अनुबंध करेंगे। परिवारिक सदस्यों और प्रदेशी दोस्तों के साथ अधिक लाभ होगा।

कर्णाली: दापांग म